TECHE
UDINE

MANOSCRITTI

FONDO PRINCIPALE

Manoscritto n. **P_MSS_4309**

Nel Fondo Principale sono confluiti la maggior parte dei lasciti manoscritti pervenuti alla Biblioteca Civica «Vincenzo Joppi» nel corso del tempo: si tratta perciò di un fondo composito nel quale è possibile trovare manoscritti di argomento liturgico, scientifico, giuridico, botanico e altro.

Collocazione:

Biblioteca Civica "Vincenzo Joppi", Udine
https://www.techeudine.it/fondo-principale
https://www.sbhu.it/

छतिसमो
२
॥ॐ॥ अर्हं नमः सिद्धा॥ जीवाजीवविभत्तिं सुणेह मे एगमणा इउ। जं जाणिऊण समणे सम्मं जयइ संजमे॥१॥ जीवा चेव अजीवा
य एस लोए वियाहिए। अजीवदेसमागासे अलोए से वियाहिए॥२॥ दव्वउ खेत्तउ चेव कालउ भावउ तहा। परूवणा तेसि भवे जीवा
णमजीवाण य॥३॥ रूविणो चेवरूवी य अजीवा दुविहा भवे। अरूवी दसहा वुत्ता रूविणो वि चउव्विहा॥४॥ धम्मत्थिकाए तद्देसे त
प्पएसे य आहिए। अहम्मे तस्स देसे य तप्पएसे य आहिए। आगासे तस्स देसे य तप्पएसे य आहिए। अद्धासमए चेव अरूवी दस
हा भवे॥६॥ धम्माधम्मे य दो चेव लोगमित्ता वियाहिया। लोगालोगे य आगासे समए समयखेत्तिए॥७॥ धम्माधम्मागासा तिन्नि वि एए
अणाइया। अपज्जवसिया चेव सव्वद्धं तु वियाहिया॥८॥ समए वि संतइं पप्प एवमेव वियाहिए। आएसं पप्प साईए सपज्ज
वसिए वि य॥९॥ खंधा य खंधदेसा य तप्पएसा तहेव य। परमाणुणो य बोद्धव्वा रूविणो य चउव्विहा॥१०॥ एगत्तेण पुहुत्तेण
खंधा य परमाणुणो। लोएगदेसे लोए य भइयव्वा ते उ खेत्तउ॥११॥ सुहुमा सव्वलोगम्मि लोगदेसे य बायरा। इत्तो कालवि
भागं तु तेसिं वुच्छं चउव्विहं॥१२॥ संतइं पप्प तेणाई अपज्जवसिया वि य। ठिइं पडुच्च साईया सपज्जवसिया वि य॥१३॥ असं
खकालमुक्कोसं एक्कं समयं जहन्नयं। अजीवाण य रूवीणं ठिई एसा वियाहिया॥१४॥ अणंतकालमुक्कोसं एक्कं समयं जह
न्नयं। अजीवाण य रूवीणं अंतरेयं वियाहियं॥१५॥ वन्नउ गंधउ चेव रसउ फासउ तहा। संठाणउ य विन्नेउ परिणामो तेसिं
पंचहा॥१६॥ वन्नउ परिणया जे उ पंचहा ते पकित्तिया। किन्हा नीला य लोहिया हालिद्दा सुक्किला तहा॥१७॥ गंधउ परिणया जे
उ दुविहा ते वियाहिया। सुरभिगंधपरिणामा दुरभिगंधा तहेव य॥१८॥ रसउ परिणया जे उ पंचहा ते पकित्तिया
तित्तकडुयकसाया अंबिला महुरा तहा॥१९॥ फासउ परिणया जे उ अट्ठहा ते पकित्तिया। कक्खडा मउया चेव गरुया लहु १
या तहा॥२०॥ सीया उण्हा य निद्धा य तहा लुक्खा य आहिया। इति फासपरिणया एए पुग्गला समुदाहिया॥२१॥ संठाणपरिणया जे उ
पंचहा ते पकित्तिया। परिमंडला य वट्टा य तंसा चउरंसमायया॥२२॥ वन्नउ जे भवे किण्हे भइए से उ गंधउ रसउ फासउ चेव

व सइएसे संठाणउ भइयव्वा । १ जे वन्नउ नीले । सइएसे उगंधउ रसउ फासउ भइयव्वे । सइएसे संठाणउ भइयव्वा । २ जे वन्नउ लोहिए जे
उ सइएसे उगंधउ रसउ फासउ भइयव्वे । सइएसे संठाणउ भइयव्वा । २ जे वन्नउ पीयए जे उ । सइएसे उगंधउ रसउ फासउ भइयव्वे । सइ
एसे संठाणउ भइयव्वा । २ जे वन्नउ सुक्किल्ले जे उ । सइएसे उगंधउ रसउ फासउ भइयव्वे । सइएसे संठाणउ भइयव्वा । २ जे गंधउ सुब्भिगंधे ।
सइएसे उवन्नउ रसउ फासउ भइयव्वे । सइएसे संठाणउ भइयव्वा । २ जे गंधउ दुब्भिगंधे । सइएसे उवन्नउ रसउ फासउ भइयव्वे । सइए
से संठाणउ भइयव्वा । २ जे रसउ तित्तए जे उ । सइएसे उवन्नउ गंधउ फासउ भइयव्वे । सइएसे संठाणउ भइयव्वा । ३ जे रसउ कडुए जे उ
सइएसे उवन्नउ गंधउ फासउ भइयव्वे । सइएसे संठाणउ भइयव्वा । ३ जे रसउ कसायए जे उ । सइएसे उवन्नउ गंधउ फासउ भइयव्वे । सइएसे
संठाणउ भइयव्वा । ३ जे रसउ अंबिले जे उ । सइएसे उवन्नउ गंधउ फासउ भइयव्वे । सइएसे संठाणउ भइयव्वा । ३ जे रसउ महुरए जे उ । सइए
से उवन्नउ गंधउ फासउ भइयव्वे । सइएसे संठाणउ भइयव्वा । ३ जे फासउ कक्खडे जे उ । सइएसे उवन्नउ गंधउ रसउ भइयव्वे । सइए
से संठाणउ भइयव्वा । ३ जे फासउ मउए जे उ । सइएसे उवन्नउ गंधउ रसउ भइयव्वे । सइएसे संठाणउ भइयव्वा । ३ जे फासउ गुरुए जे
उ सइएसे उवन्नउ गंधउ रसउ भइयव्वे । सइएसे संठाणउ भइयव्वा । ३ जे फासउ लहुए जे उ । सइएसे उवन्नउ गंधउ रसउ भइयव्वे ।
सइएसे संठाणउ भइयव्वा । ३ जे फासउ सीयए जे उ । सइएसे उवन्नउ गंधउ रसउ भइयव्वे । सइएसे संठाणउ भइयव्वा । ३ जे फासउ उ
सिणे जे उ । सइएसे उवन्नउ गंधउ रसउ भइयव्वे । सइएसे संठाणउ भइयव्वा । ४ जे फासउ निद्धए जे उ । सइएसे उवन्नउ गंधउ रसउ
भइयव्वे । सइएसे संठाणउ भइयव्वा । ४ जे फासउ लुक्खए जे उ । सइएसे उवन्नउ गंधउ रसउ भइयव्वे । सइएसे संठाणउ भइयव्वा । ४ जे परिमंड
लसंठाणे । सइएसे उवन्नउ गंधउ रसउ भइयव्वे । सइएसे फासउ भइयव्वे । ४ जे संठाणउ वट्टे । सइएसे उवन्नउ गंधउ रसउ भइयव्वे
सइएसे फासउ भइयव्वे । ४ जे संठाणउ तंसे । सइएसे उवन्नउ गंधउ रसउ भइयव्वे । सइएसे फासउ भइयव्वे । ४ जे संठाणउ चउरंसे
सइएसे उवन्नउ गंधउ रसउ भइयव्वे । सइएसे फासउ भइयव्वे । ४ जे आययसंठाणे । सइएसे उवन्नउ गंधउ रसउ भइयव्वे । सइएसे फा

वविसमो
२

सत्तविय।४७।असंखकालमुक्कोसा।एक्कोसमउजहन्नयं।अजीवाणयरूवीणं।अंतरेयंवियाहियं।४८।एसाअजीवविभत्ती
समासेणवियाहिया।इत्तोजीवविभत्तिं।वुच्छामिअणुपुव्वसो।४९।संसारत्थायसिद्धाय।दुविहाजीवावियाहिया।सिद्धाणेग
विहावुत्ता।तंमेकित्तयओसुण।५०।इत्थीपुरिससिद्धाय।तहेवयनपुंसगा।सलिंगेअन्नलिंगेय।गिहिलिंगेतहेवय।५१।उक्को
सोगाहणाए।जहन्नमज्झिमाइया।उड्ढंअहेयतिरियंच।समुद्दंमिजलंमिय।५२।दससयनपुंसएसु।वीसंइत्थियासुय।पुरि
सेसुयअट्ठसयं।समएणेगेणसिज्झइ।५३।चत्तारियगिहिलिंगे।अन्नलिंगादसेवय।सलिंगेणयअट्ठसयं।समएणेगेणसिज्झइ
।५४।उक्कोसोगाहणाए।सिज्झंति।जुगवंदुवे।चत्तारिजहन्नाए।जवमज्झट्ठुत्तरंसयं।५५।चउरुड्ढलोएयदुवेसमुद्देतओ
जलेवीसमहेतहेवय।सयंचअट्ठुत्तरंतिरियलोए।समएणेगेणउसिज्झइधुवं।५६।कहिंपडिहयासिद्धा।कहिंसिद्धापइ
ट्ठिया।कहिंबोंदिंचइत्ताणं।कत्थगंतूणसिज्झइ।५७।अलोएपडिहयासिद्धा।लोयग्गेयपइट्ठिया।इहंबोंदिंचइत्ताणं।तत्थगं
तूणसिज्झइ।५८।बारसहिंजोयणेहिं।सव्वट्ठस्सुवरिंभवे।ईसीपब्भारनामाउ।पुढवीछत्तसंठिया।५९।पणयालसयसहस्सा
जोयणाणंतुआयया।तावइयंचेवविच्छिन्ना।तिगुणोसाहियपरिरओ।६०।अट्ठजोयणबाहल्ला।सामज्झंमिवियाहिया।परिहा
यंती।चरिमंते।मच्छियपत्ताउतणुययरी।६१।अज्जुणसुवन्नगमई।सापुढवीनिम्मलासहावेणं।उत्ताणयछत्तसंठि
या।भणिया।जिणवरेहिं।६२।संखंककुंदसंकासा।पंडुरानिम्मलासुहा।सीयाएजोयणेतत्तो।लोयंतोउवियाहिओ।६३।जो
यणस्सउजोतस्स।कोसोउवरिमोभवे।तस्सकोसस्सछब्भाए।सिद्धाणोगाहणाभवे।६४।तत्थसिद्धामहाभागा।लोयग्गंमिपइट्ठि
या।भवप्पवंचउम्मुक्का।सिद्धिंवरगइंगया।६५।उस्सेहोजस्सजोहोइ।भवंमिचरिमंमिउ।तिभागहीणातत्तोय।सिद्धाणोगा
हणाभवे।६६।एगत्तेणसाईया।अपज्जवसियाविय।पुहत्तेणअणाईया।अपज्जवसियाविय।६७।अरूविणोजीवघणा।नाण
दंसणसन्निया।अउलंसुहंसंपत्ता।उवमाजस्सनत्थिउ।६८।लोएगदेसेतेसव्वे।नाणदंसणसन्निया।संसारपारनिच्छिन्ना।सि २

द्धिंवरगइंगया।६९।संसारत्थाउजेजीवा।दुविहातेवियाहिया।तसायथावराचेव।थावरातिविहातहिं।७०।पुढवीआउजीवाय ३
तहेवयवणस्सई।इच्चेएथावरातिविहा।तेसिंभेएसुणेहमे।७१।दुविहापुढवीजीवाउ।सुहुमाबायरातहा।पज्जत्तमपज्ज
त्ता।एवमेएदुहापुणो।७२।बायराजेउपज्जत्ता।दुविहातेवियाहिया।सण्हाखरायबोधव्वा।सण्हासत्तविहातहिं।७३।किण्हा
तोहिना
४
नीलायरुहिराय।हालिद्दासुक्किलातहा।पंडुपणगमट्टिया।खराछत्तीसईविहा।७४।पुढवीयसक्करावालुयाय
उवलेसिलायलोणूसे।अयतंबतउयसीसग।रुप्पसुवन्नेयवइरेय।७५।हरियालेहिंगुलुए।मणोसिलासासगंजणपवाले।अ
ब्भपडलब्भवालुय।बायरकाएमणिविहाणा।७६।गोमेज्जएयरुयगे।अंकेफलिहेयलोहियक्खेय।मरगयमसारगल्ले।भु
यमोयगइंदनीलेय।७७।चंदणगेरुयहंसगब्भ।पुलएसोगंधिएयबोधव्वे।चंदप्पहवेरुलिए।जलकंतेसूरकंतेय।७८।
एएखरपुढवीए।भेयाछत्तीसमाहिया।एगविहमनाणत्ता।सुहुमातत्थवियाहिया।७९।सुहुमायसव्वलोगंमि।लोगदेसेयबा
यरा।इत्तोकालविभागंतु।वुच्छंतेसिंचउव्विहं।८०।संतइंपप्पणाईया।अपज्जवसियाविय।ठिइंपडुच्चसाईया।सपज्जवसिया
विय।८१।एएसिंवन्नओचेव।गंधओरसफासओ।संठाणादेसओवावि।विहाणाइंसहस्ससो।८२।बावीससहस्साइं।वासाणु
क्कोसियाभवे।आउठिईपुढवीणं।अंतोमुहुत्तंजहन्निया।८३।असंखकालमुक्कोसा।अंतोमुहुत्तंजहन्निया।काय
ठिईपुढवीणं।तंकायंतुअमुंचओ।८४।अणंतकालमुक्कोसं।अंतोमुहुत्तंजहन्नयं।विजढंमिसएकाए।पुढवीजी
वाणअंतरं।८५।एएसिंवन्नओचेव।गंधओरसफासओ।संठाणादेसओवावि।विहाणाइंसहस्ससो।८६।दुविहाआउजी
वाउ।सुहुमाबायरातहा।पज्जत्तमपज्जत्ता।एवमेएदुहापुणो।८७।बायराजेउपज्जत्ता।पंचहातेपकित्तिया।सुद्धोदएय
उस्सेय।हरतणूमहियाहिमे।८८।एगविहमनाणत्ता।सुहुमातत्थवियाहिया।सुहुमासव्वलोगंमि।लोगदेसेयबायरा।८९।संत
इंपप्पणाईया।अपज्जवसियाविय।ठिइंपडुच्चसाईया।सपज्जवसियाविय।९०।एएसिंवन्नओचेव।गंधओरसफासओ।संठाणादे
सओवावि।विहाणाइंसहस्ससो।९१।सत्तेवसहस्साइं।वासाणुक्कोसियाभवे।आउठिईआऊणं।अंतोमुहुत्तंजहन्नियं।९२। 3

[illegible]
३

असंखकालमुक्कोसं ॥ अंतोमुहुत्तं कहन्निया ॥ कायठिइ ज्ञाकुणं ॥ तंकायउत्र्प्रमुवउ ॥ ॥ आणंतकालमुक्कोसं ॥ अंतोमुहुत्तं कु
हन्नयं ॥ विजहंमि संकाए ॥ आउजीवाण अंतरं ॥ १४ ॥ एएसिं वन्नओ चेव ॥ गंधओ रसफासओ ॥ संठाणादेसओ वावि ॥ विहाणाइं स
हस्ससो ॥ १५ ॥ दुविहा वणस्सईजीवा ॥ सुहुमा बायरा तहा ॥ पज्जत्तमपज्जत्ता ॥ एवमेए दुहा पुणो ॥ १६ ॥ बायरा जे उ पज्जत्ता ॥ दुविह
ा ते विहाहिया ॥ साहारणसरीरा य ॥ पत्तेगा य तहेव य ॥ १७ ॥ पत्तेयसरीराउ ॥ णेगहा ते पकित्तिया ॥ रुक्खा गुच्छा य गुम्मा य ॥ लया
वल्ली तणा तहा ॥ १८ ॥ वलया पव्वया कुहणा ॥ जलरुहा ओसही तहा ॥ हरियकाया य बोधव्वा ॥ पत्तेया इति आहिया ॥ १९ ॥ साहार
णसरीरा उ ॥ णेगहा ते पकित्तिया ॥ आलुए मूलए चेव ॥ सिंगबेरे तहेव य ॥ १०० ॥ हिरिली सिरिली सिस्सिरिली ॥ जावई केयकंदली ॥
पलंडुलसणकंदे य ॥ कंदली य कुडुंबए ॥ १ ॥ लोहिणीहूय थीहू य ॥ कुहगा य तहेव य ॥ कण्हे य वज्जकंदे य ॥ कंदे सूरणए तहा ॥ २ ॥
अस्सकन्नी य बोधव्वा ॥ सीहकन्नी तहेव य ॥ मुसुंढी य हलिद्दा य ॥ णेगहा एवमायओ ॥ ३ ॥ एगविहमनाणत्ता ॥ सुहुमा तत्थ वियाहिया ॥ सु
हुमा सव्वलोगंमि ॥ लोगदेसे य बायरा ॥ ४ ॥ संतइं पप्पणाईया ॥ अपज्जवसियावि य ॥ ठिइं पडुच्च साईया ॥ सपज्जवसियावि य ॥ ५ ॥
दससहस्साइं वासाणं ॥ वासाणुक्कोसिया भवे ॥ वणस्सईण आउठिई ॥ अंतोमुहुत्तं जहन्नयं ॥ ६ ॥ अणंतकालमुक्कोसं ॥ अंतो
मुहुत्तं जहन्नयं ॥ विजढंमि सए काए ॥ पणगजीवाण अंतरं ॥ ८ ॥ अंतोमुहुत्तं जहन्निया ॥ कायठिइ पणगाणं ॥ तं कायं तु
अमुंचओ ॥ ७ ॥ असंखकालमुक्कोसं ॥ एएसिं वन्नओ चेव ॥ गंधओ रसफासओ ॥ संठाणादेसओ वावि ॥ विहाणाइं सहस्ससो ॥
१० ॥ इच्चेए थावरा तिविहा ॥ समासेण वियाहिया ॥ इत्तो उ तसे तिविहे ॥ वुच्छामि अणुपुव्वसो ॥ ११ ॥ तेऊ वाऊ य बोधव्वा ॥ उराला
य तसा तहा ॥ इच्चेए तसा तिविहा ॥ तेसिं भेए सुणेह मे ॥ १२ ॥ दुविहा तेउजीवा उ ॥ सुहुमा बायरा तहा ॥ पज्जत्तमपज्जत्ता ॥ एव
मेए दुहा पुणो ॥ १३ ॥ बायरा जे उ पज्जत्ता ॥ णेगहा ते वियाहिया ॥ इंगाले मुम्मुरे अगणी ॥ अच्चि जाला तहेव य ॥ १४ ॥ उक्का विज्जु
य बोधव्वा ॥ णेगहा एवमायओ ॥ एगविहमनाणत्ता ॥ सुहुमा ते वियाहिया ॥ १५ ॥ सुहुमा सव्वलोगंमि ॥ लोगदेसे य बायरा ॥ ए
त्तो कालविभागं तु ॥ तेसिं वुच्छं चउव्विहं ॥ १६ ॥ संतइं पप्पणाईया ॥ अपज्जवसियावि य ॥ ठिइं पडुच्च साईया ॥ सपज्जवसिया ३

सपज्जवसियावि य ॥ १७ ॥ तिन्नेव अहोरत्ता ॥ उक्कोसेण वियाहिया ॥ आउठिई तेऊणं ॥ अंतोमुहुत्तं जहन्निया ॥ १८ ॥ असंखकालमुक्कोसं ॥
अंतोमुहुत्तं जहन्निया ॥ कायठिई तेऊणं ॥ तं कायं तु अमुंचओ ॥ १९ ॥ अणंतकालमुक्कोसं ॥ अंतोमुहुत्तं जहन्नयं ॥ विजढंमि सए काए ॥
तेऊजीवाण अंतरं ॥ २० ॥ एएसिं वन्नओ चेव ॥ गंधओ रसफासओ ॥ संठाणादेसओ वावि ॥ विहाणाइं सहस्ससो ॥ २१ ॥ दुविहा वाउजीवा उ ॥
सुहुमा बायरा तहा ॥ पज्जत्तमपज्जत्ता ॥ एवमेए दुहा पुणो ॥ २० ॥ बायरा जे उ पज्जत्ता ॥ पंचहा ते पकित्तिया ॥ उक्कलियामंडलिया ॥ घण
गुंजा सुद्धवाया य ॥ २१ ॥ संवट्टगवाए य ॥ णेगहा एवमायओ ॥ एगविहमनाणत्ता ॥ सुहुमा ते वियाहिया ॥ २२ ॥ सुहुमा सव्वलोगंमि ॥ लोगदेसे
य बायरा ॥ एत्तो कालविभागं तु ॥ तेसिं वुच्छं चउव्विहं ॥ २३ ॥ संतइं पप्पणाईया ॥ अपज्जवसियावि य ॥ ठिइं पडुच्च साईया ॥ सपज्जवसियावि
य ॥ २४ ॥ तिन्नेव वाससहस्साइं ॥ वासाणुक्कोसिया भवे ॥ आउठिई वाऊणं ॥ अंतोमुहुत्तं जहन्निया ॥ २५ ॥ असंखकालमुक्कोसं ॥ अंतोमुहुत्तं
जहन्नयं ॥ विजढंमि सए काए ॥ वाउजीवाण अंतरं ॥ २ ॥ अंतोमुहुत्तं जहन्निया ॥ कायठिई वाऊणं ॥ तं कायं तु अमुंचओ ॥ २६ ॥
अणंतकालमुक्कोसं ॥ एएसिं वन्नओ चेव ॥ गंधओ रसफासओ ॥ संठाणादेसओ वावि ॥ विहाणाइं सहस्ससो ॥ २८ ॥ उराला य तसा जे उ ॥ चउव्विहा
ते पकित्तिया ॥ बेइंदिय तेइंदिय ॥ चउरो पंचिंदिया चेव ॥ २९ ॥ बेइंदिया उ जे जीवा ॥ दुविहा ते पकित्तिया ॥ पज्जत्तमपज्जत्ता ॥ तेसिं भेए
सुणेह मे ॥ ३० ॥ किमिणो सोमंगला चेव ॥ अलसा माइवाहया ॥ वासीमुहा य सिप्पीया ॥ संखा संखणगा तहा ॥ ३१ ॥ पल्लोयाणुल्लया चेव
तहेव य वराडगा ॥ जलूगा जालगा चेव ॥ चंदणा य तहेव य ॥ ३२ ॥ इइ बेइंदिया एए ॥ णेगहा एवमायओ ॥ लोगेगदेसे ते सव्वे ॥ न सव्वत्थ वि
याहिया ॥ ३३ ॥ संतइं पप्पणाईया ॥ अपज्जवसियावि य ॥ ठिइं पडुच्च साईया ॥ सपज्जवसियावि य ॥ ३४ ॥ वासाइं बारसे व उ ॥ उक्कोसेण
वियाहिया ॥ बेइंदिय आउठिई ॥ अंतोमुहुत्तं जहन्निया ॥ ३५ ॥ संखिज्जकालमुक्कोसं ॥ अंतोमुहुत्तं जहन्नियं ॥ बेइंदियकायठिई ॥ तं
कायं तु अमुंचओ ॥ ३६ ॥ अणंतकालमुक्कोसं ॥ अंतोमुहुत्तं जहन्नयं ॥ बेइंदियजीवाणं ॥ अंतरं य वियाहियं ॥ ३७ ॥ एएसिं वन्नओ चेव ॥ गंध
ओ रसफासओ ॥ संठाणादेसओ वावि ॥ विहाणाइं सहस्ससो ॥ ३८ ॥ तेइंदिया उ जे जीवा ॥ दुविहा ते पकित्तिया ॥ पज्जत्तमपज्जत्ता ॥ तेसिं भेए
सुणेह मे ॥ ३९ ॥ कुंथु पिवीलि उड्डंसा ॥ उक्कलुद्देहिया तहा ॥ तणहारा कट्ठहारा ॥ मालुगा पत्तहारगा ॥ ४० ॥ कप्पासट्ठिमिंजा य ॥ तिंदु

णा न उ समिऊग्गा। मया अरीया वुमीया। तो अवाऽऽद्धगाइया ४१ छंदगो वगमाइया। णेगहा एवमायउ। लोएगदेसे तेसव्वे। न सव्वत्थ विहा
हिया। ४२ संतइं पप्पणाइया। अपज्जवसिया वि य। ठिइं पडुच्च साइया। सपज्जवसिया वि य। ४३ एगूणपन्नहोरत्ता। उक्कोसेण विया
हिया। तिइंदिय आउठिई। अंतोमुहुत्तं जहन्निया। ४४ संखेज्जकालमुक्कोसा। अंतोमुहुत्तं जहन्निया। तिइंदियकायठिई। तं कायं तु अ
मुंचउ। ४५ अणंतकालमुक्कोसं। अंतोमुहुत्तं जहन्नयं। तिइंदियजीवाणं। अंतरेयं वियाहियं। ४६ एएसिं वन्नउ चेव। गंधउ रस
फासउ। संठाणादेसउ वावि। विहाणाइं सहस्ससो। ४७ चउरिंदिया उ जे जीवा। दुविहा ते पकित्तिया। पज्जत्तमपज्जत्ता। तेसिं भेए सु
णेह मे। ४८ अंधिया पोत्तिया चेव। मच्छिया मसगा तहा। भमरे कीडपयंगे य। ढिंकुणे कुंकणे तहा। ४९ कुक्कुडे सिंगिरीडी य। नंदावत्ते य
विछिए। डोले भिंगिरीडी य। विरली अच्छिवेहए। ५० अच्छिले माहए अच्छि। रोडए विचित्त चित्तपत्तए। उहिंजलिया जलकारी य। नीया
तंतवगाइया। ५१ इय चउरिंदिया एए। णेगहा एवमायउ। लोगस्स एगदेसंमि। ते सव्वे परिकित्तिया। ५२ संतइं पप्पणाइया। अपज्जव
सिया वि य। ठिइं पडुच्च साइया। सपज्जवसिया वि य। ५३ छच्चेव य मासा ऊ। उक्कोसेण वियाहिया। चउरिंदियआउठिई। अंतोमुहुत्तं
जहन्निया। ५४ संखेज्जकालमुक्कोसं। अंतोमुहुत्तं जहन्नियं। चउरिंदियकायठिई। तं कायं तु अमुंचउ। ५५ अणंतकालमुक्क
ोसं। अंतोमुहुत्तं जहन्नयं। विजढंमि सए काए। अंतरेयं वियाहियं। ५६ एएसिं वन्नउ चेव। गंधउ रसफासउ। संठाणादेसउ वा
वि। विहाणाइं सहस्ससो। ५७ पंचिंदिया उ जे जीवा। चउव्विहा ते वियाहिया। नेरइयतिरिक्खा य। मणुया देवा य आहिया। ५८ नेरइ
या सत्तविहा। पुढवीसु सत्तसू भवे। रयणाभ सक्कराभा। वालुयाभा य आहिया। ५९ पंकाभा धूमाभा। तमा तमतमा तहा। इइ नेरइया
एए सत्तहा परिकित्तिया। ६० लोगस्स एगदेसंमि। ते सव्वे उ वियाहिया। एत्तो कालविभागं तु। तेसिं वुच्छं चउव्विहं। ६१ संतइं पप्पणाइया।
अपज्जवसिया वि य। ठिइं पडुच्च साइया। सपज्जवसिया वि य। ६२ सागरोवममेगं तु। उक्कोसेण वियाहिया। पढमाए जहन्नेणं।
दसवाससहस्सीया। ६३ तिन्नेव सागरा ऊ। उक्कोसेण वियाहिया। दोच्चाए जहन्नेणं। एगं तु सागरोवमं। ६४ सत्तेव सागरा ऊ। उक्कोसेण
तइयाए जहन्नेणं। तिन्नेव सागरोवमा। ६५ दस सागरोवमा ऊ। उक्कोसेण वियाहिया। चउत्थीए जहन्नेणं। सत्तेव सागरोवमा। ६६ स

त्तरस सागरा ऊ। उक्कोसेण वियाहिया। पंचमाए जहन्नेणं। दस चेव सागरोवमा। ६७ बावीस सागरा ऊ। उक्को
सेण वियाहिया। छट्ठीए जहन्नेणं। सत्तरस सागरोवमा। ६८ तेत्तीस सागरा ऊ। उक्कोसेण वियाहिया। सत्तमाए जहन्नेणं। बावीसं सागरो
वमा। ६९ जा चेव य आउठिई। नेरइयाणं वियाहिया। सा तेसिं कायठिई। जहन्नुक्कोसिया भवे। ७० अणंतकालमुक्कोसं। अंतोमुहुत्तं जह
न्नयं। विजढंमि सए काए। नेरइयाणं तु अंतरं। ७१ एएसिं वन्नउ चेव। गंधउ रसफासउ। संठाणादेसउ वावि। विहाणाइं सहस्ससो। ७२
पंचिंदियतिरिक्खा उ। दुविहा ते वियाहिया। संमुच्छिमतिरिक्खा उ। गब्भवक्कंतिया तहा। ७३ दुविहा ते भवे तिविहा। जलयरा थलयरा तहा।
खहयरा य बोधव्वा। तेसिं भेए सुणेह मे। ७४ मच्छा य कच्छभा य। गाहा य मगरा तहा। सुंसुमारा य बोधव्वा। पंचहा जलयराहिया। ७५
लोएगदेसे ते सव्वे। न सव्वत्थ वियाहिया। एत्तो कालविभागं तु। तेसिं वुच्छं चउव्विहं। ७६ संतइं पप्पणाइया। अपज्जवसिया वि य। ठिइं पडु
च्च साइया। सपज्जवसिया वि य। ७७ एगा य पुव्वकोडीओ। उक्कोसेण वियाहिया। आउठिई जलयराणं। अंतोमुहुत्तं जहन्निया। ७८ पु
व्वकोडीपुहुत्तं तु। उक्कोसेण वियाहिया। कायठिई जलयराणं। अंतोमुहुत्तं जहन्नियं। ७९ अणंतकालमुक्कोसं। अंतोमुहुत्तं जहन्न
यं। विजढंमि सए काए। जलयराणं तु अंतरं। एएसिं वन्नउ चेव। गंधउ रसफासउ। संठाणादेसउ वावि। विहाणाइं सहस्ससो।
८० चउप्पया य परिसप्पा। दुविहा थलयरा भवे। चउप्पया चउव्विहा। ते मे कित्तयउ सुण। ८१ एगखुरा दुखुरा चेव। गंडीपयसण
प्पया। हयमाइ गोणमाइ। गयमाइ सीहमाइणो। ८२ भुओरगपरिसप्पा य। परिसप्पा दुविहा भवे। गोहाई अहिमाईया। एक्केक्का णे
गहा भवे। ८३ लोएगदेसे ते सव्वे। न सव्वत्थ वियाहिया। एत्तो कालविभागं तु। तेसिं वुच्छं चउव्विहं। ८४ संतइं पप्पणाइया। अपज्जव
सिया वि य। ठिइं पडुच्च साइया। सपज्जवसिया वि य। ८५ पलिओवमाउ तिन्नि उ। उक्कोसेण वियाहिया। आउठिई थलयराणं। अंत
ोमुहुत्तं जहन्निया। ८६ पलिओवमाउ तिन्नि उ। उक्कोसेण साहिया। पुव्वकोडीपुहुत्तेणं। अंतोमुहुत्तं जहन्निया। ८७ कायठिई
थलयराणं। अंतरं तेसिमं भवे। कालमणंतमुक्कोसं। अंतोमुहुत्तं जहन्नयं। ८८ विजढंमि सए काए। थलयराणं तु अंतरं। एएसिं व
न्नउ चेव। गंधउ रसफासउ। संठाणादेसउ वावि। विहाणाइं सहस्ससो। ८९ चम्मे उ लोमपक्खी य। तइया समुग्गपक्खिया। ९० विय

उ विसमो ५

यपरकीयवो धवा। परिकिलोयस्स उवरिं। लोगदेसे ते सव्वे न सव्वत्थ वियाहिया॥९३॥ लोगदेसे ते सव्वे न सव्वत्थ वियाहिया। इत्तो कालवि
भागं तु तेसिं वोच्छं चउव्विहं॥९४॥ संतइं पप्पणाईया अपज्जवसिया वि य। ठिइं पडुच्च साईया सपज्जवसिया वि य॥९५॥ पलिओवम
स्स भागो असंखेज्जइमो भवे। आउट्ठिई खहयराणं अंतोमुहुत्तं जहन्निया॥९६॥ असंखभागो पलियस्स उक्कोसेण उ साहिया। पुव्वकोडि
पुहुत्तेणं अंतोमुहुत्तं जहन्निया॥९७॥ कायठिई खहयराणं अंतरं तेसिमं भवे। कालं अणंतमुक्कोसं अंतोमुहुत्तं जहन्नयं॥९८॥ ए
एसिं वन्नओ चेव गंधओ रसफासओ संठाणादेसओ वावि विहाणाइं सहस्ससो॥९९॥ मणुया दुविहभेया उ ते मे कित्तयओ सुण। संमुच्छि
मा य मणुया गब्भवक्कंतिया तहा॥७॥ गब्भवक्कंतिया जे उ तिविहा ते वियाहिया॥८॥ अकम्म कम्मभूमा य अंतरद्दीवगा तहा। पन्नर
सतीसमविहा भेया अट्ठवीसई। संखा उ कमसो तेसिं इइ एसा वियाहिया॥९॥ संमुच्छिमाण एसेव भेओ होइ आहिओ। लोगस्स एगदेसं
मि ते सव्वे वियाहिया॥१०॥ संतइं पप्पणाईया अपज्जवसिया वि य। ठिइं पडुच्च साईया सपज्जवसिया वि य॥११॥ पलिओवमाइं तिन्नि उ
उक्कोसेण वियाहिया। आउट्ठिई मणुयाणं अंतोमुहुत्तं जहन्निया॥१२॥ पलिओवमाइं तिन्नि उ उक्कोसेण वियाहिया। पुव्वकोडीपुहु
त्तेणं अंतोमुहुत्तं जहन्निया॥१३॥ कायठिई मणुयाणं अंतरं तेसिमं भवे। अणंतकालमुक्कोसं अंतोमुहुत्तं जहन्नयं॥१४॥ एएसिं वन्न
ओ चेव गंधओ रसफासओ संठाणादेसओ वावि विहाणाइं सहस्ससो॥१५॥ देवा चउव्विहा वुत्ता ते मे कित्तयओ सुण। भोमिज्ज वाणमं
तर जोइस वेमाणिया तहा॥१६॥ दसहा उ भवणवासी अट्ठहा वणचारिणो। पंचविहा जोइसिया दुविहा वेमाणिया तहा॥१७॥ असुरा ना
गसुवन्ना विज्जू अग्गी य आहिया। दीवोदहि दिसा वाया थणिया भवणवासिणो॥१८॥ पिसाय भूया जक्खा य रक्खसा किंनरा य किंपु
रिसा। महोरगा य गंधव्वा अट्ठविहा वाणमंतरा॥१९॥ चंदा सूरा य नक्खत्ता गहा तारागणा तहा। दिसाविचारिणो चेव पंचहा जोइसाल
या॥२०॥ वेमाणिया उ जे देवा दुविहा ते वियाहिया। कप्पोवगा य बोधव्वा कप्पाईया तहेव य॥२१॥ कप्पोवगा बारसहा सोहम्मीसाणगा
तहा। सणंकुमार माहिंदा बंभलोगा य लंतगा॥२२॥ महासुक्का सहस्सारा आणया पाणया तहा। आरणा अच्चुया चेव इइ कप्पोवगा सु
रा॥२३॥ कप्पाईया उ जे देवा दुविहा ते वियाहिया। गेविज्जाणुत्तरा चेव गेविज्जा नवविहा तहिं॥२४॥ हेट्ठिमा हेट्ठिमा चेव हेट्ठिमा म ५

ज्झिमा तहा हेट्ठिमा उवरिमा चेव मज्झिमा हेट्ठिमा तहा॥२५॥ मज्झिमा मज्झिमा चेव मज्झिमा उवरिमा तहा। उवरिमा हेट्ठिमा चेव उवरिमा
मज्झिमा तहा॥२६॥ उवरिमा उवरिमा चेव इय गेविज्जगा सुरा। विजया वेजयंता य जयंता अपराजिया॥२७॥ सव्वट्ठसिद्धगा चेव पंच
हाणुत्तरा सुरा। इइ वेमाणिया एते णेगहा एवमायओ॥२८॥ लोगस्स एगदेसम्मि ते सव्वे परिकित्तिया। इत्तो कालविभागं तु तेसिं वोच्छं चउव्वि
हं॥२९॥ संतइं पप्पणाईया अपज्जवसिया वि य। ठिइं पडुच्च साईया सपज्जवसिया वि य॥३०॥ साहीयं सागरं एक्कं उक्कोसेण ठिई भवे।
भोमेज्जाणं जहन्नेणं दसवाससहस्सिया॥३१॥ पलिओवममेगं तु उक्कोसेण ठिई भवे। वंतराणं जहन्नेणं दसवाससहस्सिया॥३२॥ प
लिओवमं तु एगं वासलक्खेण साहियं। पलिओवमट्ठभागो जोइसेसु जहन्निया॥३३॥ दो चेव सागराइं उक्कोसेण वियाहिया। सोहम्मंमि
जहन्नेणं एगं तु पलिओवमं॥३४॥ सागरा साहिया दुन्नि उक्कोसेण वियाहिया। ईसाणम्मि जहन्नेणं साहियं पलिओवमं॥३५॥ सा
गराणि य सत्तेव उक्कोसेण ठिई भवे। सणंकुमारे जहन्नेणं दुन्नि उ सागरोवमा॥३६॥ साहिया सागरा सत्त उक्कोसेण ठिई भवे।
माहिंदम्मि जहन्नेणं साहिया दुन्नि सागरा॥३७॥ दस चेव सागराइं उक्कोसेण ठिई भवे। बंभलोए जहन्नेणं सत्त उ सागरो
वमा॥३८॥ चउद्दस सागराइं उक्कोसेण ठिई भवे। लंतगम्मि जहन्नेणं दस उ सागरोवमा॥३९॥ सत्तरस सागराइं उक्कोसेण ठिई भ
वे। महासुक्के जहन्नेणं चउद्दस सागरोवमा॥४०॥ अट्ठारस सागराइं उक्कोसेण ठिई भवे। सहस्सारे जहन्नेणं सत्तरस सागरोवमा
॥४१॥ सागरा अउणवीसं तु उक्कोसेण ठिई भवे। आणयम्मि जहन्नेणं अट्ठारस सागरोवमा॥४२॥ वीसं तु सागराइं उक्कोसेण ठि
ई भवे। पाणयम्मि जहन्नेणं सागरा अउणवीसई॥४३॥ सागरा इक्कवीसं तु उक्कोसेण ठिई भवे। आरणम्मि जहन्नेणं वीसई साग
रोवमा॥४४॥ बावीस सागराइं उक्कोसेण ठिई भवे। अच्चुयम्मि जहन्नेणं सागरा इक्कवीसई॥४५॥ तेवीस सागराइं उक्कोसेण
ठिई भवे। पढमम्मि जहन्नेणं बावीसं सागरोवमा॥४६॥ चउवीस सागराइं उक्कोसेण ठिई भवे। बिइयम्मि जहन्नेणं तेवीस
सागरोवमा॥४७॥ पणवीस सागराइं उक्कोसेण ठिई भवे। तइयम्मि जहन्नेणं चउवीसं सागरोवमा॥४८॥ छव्वीस सागराइं
उक्कोसेण ठिई भवे। चउत्थम्मि जहन्नेणं सागरा पणुवीसई॥४९॥ सागरा सत्तवीसं तु उक्कोसेण ठिई भवे। पंचमम्मि जहन्नेणं 6

उत्तिसमो
६
समियाल
छंतिहिंम
गा इय जे
मरंतिजी
वा तेसिंपु
णाइ लहा
बोही ५८
उ० ५
समदंसण
रत्ता

सागरा छव्वीसई ॥४०॥ सागरा अट्ठवीसं तु उक्कोसेण ठिई भवे। छट्ठंमि जहन्नेणं सागरा सत्तवीसई ॥४१॥ सागरा अउणतीसं तु।
उक्कोसेण ठिई भवे। सत्तमंमि जहन्नेणं सागरा अट्ठवीसई ॥४२॥ तीसं तु सागराइं। उक्कोसेण ठिई भवे। अट्ठमंमि जहन्नेणं।
सागरा अउणतीसई ॥४३॥ सागरा इक्कतीसं तु उक्कोसेण ठिई भवे। नवमंमि जहन्नेणं तीसई सागरोवमा ॥४४॥ तेत्तीस सागराइं
उक्कोसेण ठिई भवे। चउसुं पि विजयाईसु। जहन्नेणेक्कतीसई ॥४५॥ अजहन्नमणुक्कोसं तेत्तीसं सागरोवमा। महाविमाणस
व्वट्ठे। ठिई एसा वियाहिया ॥४६॥ जा चेव उ आउठिई देवाणं तु वियाहिया। सा तेसिं कायठिई। जहन्नुक्कोसिया भवे ॥४७॥ अणंत
कालमुक्कोसं। अंतोमुहुत्तं जहन्नयं। विजढंमि सए काए। देवाणं हुज्ज अंतरं ॥४८॥ एएसिं वन्नओ चेव गंधओ रसफासओ। सं
ठाणादेसओ वा वि। विहाणाइं सहस्ससो ॥४९॥ संसारत्था य सिद्धा य। इय जीवा वियाहिया। रूविणो चेवरूवी य। अजीवा दुवि
हा वि य ॥५०॥ इय जीवमजीवे य सोच्चा सद्दहिऊण य। सव्वनयाण अणुमए रमेज्जा संजमे मुणी ॥५१॥ तओ बहूणि वासाणि सा
मन्नमणुपालिया। इमेण कम्मजोगेणं। अप्पाणं संलिहे मुणी ॥५२॥ बारसेव उ वासाइं संलेहुक्कोसिया भवे। संवच्छरं मज्झिमिया
छम्मासा य जहन्निया ॥५३॥ पढमे वासचउक्कंमि। विगईनिज्जूहणं करे। बिइए वासचउक्कंमि। विचित्तं तु तवं चरे ॥५४॥ एगंतरमाया
मं। कट्टु संवच्छरे दुवे। तओ संवच्छरद्धं तु नाइविगिट्ठं तवं चरे ॥५५॥ तओ संवच्छरद्धं तु। विगिट्ठं तु तवं चरे। परिमियं चेव आयामं। तंमि सं
वच्छरे करे ॥५६॥ कोडीसहियमायामं। कट्टु संवच्छरे मुणी। मासद्धमासिएणं तु। आहारेणं तवं चरे ॥५७॥ कंदप्पमाभिओगं। किब्बिसियं मोहमा
सुरत्तं च। एयाओ दुग्गईओ। मरणंमि विराहिया होंति ॥५८॥ मिच्छादंसणरत्ता। अनियाणा सुक्कलेसमोगाढा। इय जे मरंति जीवा सु
लहा तेसिं भवे बोही ॥५९॥ मिच्छादंसणरत्ता। सनियाणा कण्हलेसमोगाढा। इय जे मरंति जीवा। तेसिं पुण दुल्लहा बोही ॥६०॥ जिणव
यणे अणुरत्ता। जिणवयणं जे करेंति भावेण। अमला असंकिलिट्ठा ते होंति परित्तसंसारी ॥६२॥ बालमरणाणि बहुसो। अकाममर
णाणि चेव य बहूणि। मरिहिंति ते वराया। जिणवयणं जे न याणंति ॥६३॥ बहुआगमविन्नाणा। समाहिउप्पायगा य गुणगाही
एएण कारणेणं। अरिहा आलोयणं सोउं ॥६४॥ कंदप्पकुक्कुयाइं। तह सीलसहावहासविगहाहिं। विम्हावेंतो य परं॥

६

कंदप्पं भावणं कुणइ ॥६५॥ मंताजोगं काउं भूईकम्मं च जे पउंजंति। सायरसइड्ढिहेउं अभिओगं भावणं कुणइ ॥६६॥ नाणा
स्स केवलीणं। धम्मायरियस्स संघसाहूणं। माई अवन्नवाई। किब्बिसियं भावणं कुणइ ॥६७॥ अणुबद्धरोसपसरो॥
तह य निमित्तंमि होइ पडिसेवी। एएहिं कारणेहिं। आसुरियं भावणं कुणइ ॥६८॥ सत्थग्गहणं विसभक्खणं च। जलणं च
जलपवेसो य। अणायारभंडसेवा। जम्मणमरणाणि बंधंति ॥६९॥ इय पाउकरे बुद्धे। नायए परिनिव्वुए। छत्तीसं उत्तरज्झ
ए भवसिद्धीयसंमए त्ति बेमि ॥७०॥ इति जीवाजीवविभत्ती अज्झयणं सम्मत्तं ॥ उत्तरज्झयणं समत्तं ॥ संव
त्: समत १८२८ स ५ दकाश्री वणसुद बीके सनीश्रवार लिखतं श्रीरत्नपानंगा की श्रगढ मध्ये ॥ श्री: श्री: श्री::